

## डॉ. रॉबर्ट वानॉय, पुराने नियम का इतिहास, व्याख्यान 24

© 2011, डॉ. रॉबर्ट वानॉय और टेड हिल्डेब्रांट

### उत्पत्ति 22 - अकेदा, इसहाक का बंधन

उत्पत्ति 22: इब्राहीम और इसहाक, प्रतिज्ञा का पुत्र

हम उत्पत्ति अध्याय 22 पर चर्चा कर रहे थे, जो अब्राहम के विश्वास का चरम बिंदु है। मैंने आखिरी घंटे के अंत में उस पर चर्चा शुरू कर दी थी। आइए वापस जाएं और उस पर विचार करें। आयत 2 में, इब्राहीम से कहा गया है कि वह अपने बेटे इसहाक की बलि अपने हाथों से दे। उस आदेश की पृष्ठभूमि यह है कि उसे उस बेटे की बलि देने के लिए कहा गया है, जिसके माध्यम से वादा पूरा किया जाना था। इस समय इब्राहीम का एक और पुत्र इश्माएल (हागर के माध्यम से) था, लेकिन वादा इसहाक के माध्यम से पूरा होना था, इश्माएल के माध्यम से नहीं। इसलिए यदि आप पीछे जाएं और उत्पत्ति 21:12 को देखें, तो आप पढ़ते हैं, " परन्तु परमेश्वर ने उस से कहा, 'लड़के और अपनी दासी के विषय में इतना उदास न हो। सारा जो कुछ तुझ से कहे उसे सुन, क्योंकि इसहाक ही से तेरा वंश गिना जाएगा। मैं दासी के पुत्र को भी एक जाति बनाऊंगा, क्योंकि वह तेरा वंश है।' परन्तु वंश की प्रतिज्ञा की गई वंशावली इसहाक के माध्यम से आएगी। यदि आप उत्पत्ति 17:18 में थोड़ा और पीछे जाते हैं तो आप पढ़ते हैं: " और इब्राहीम ने परमेश्वर से कहा, "काश इश्माएल तेरे आशीर्वाद से जीवित रह पाता!" तब परमेश्वर ने कहा, हां, परन्तु तेरी पत्नी सारा से तेरे लिये एक पुत्र उत्पन्न होगा, और तू उसका नाम इसहाक रखना। मैं उसके साथ अपनी वाचा बान्धूंगा, जो उसके पश्चात् उसके वंश के लिये सदा की वाचा हो। और इश्माएल के विषय में मैं ने तेरी सुन ली है; मैं निश्चय उसे आशीष दूंगा; मैं उसको फलवन्त करूंगा, और उसकी गिनती बहुत बढ़ाऊंगा। वह बारह हाकिमों का पिता होगा, और मैं उस से एक बड़ी जाति बनाऊंगा। परन्तु मैं अपनी वाचा इसहाक के साथ बान्धूंगा, जिसे सारा अगले वर्ष इसी समय तक तेरे लिये उत्पन्न कर देगी।"

तो अध्याय 17:18-21 में, यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यह रेखा इसहाक के माध्यम से जारी रहेगी। यही कारण है कि आखिरी कक्षा के घंटे में जब मैंने उत्पत्ति 22 पर केल्विन की टिप्पणियाँ पढ़ीं तो उन्होंने कहा कि इब्राहीम में संघर्ष उस वादे के संबंध में प्रभु के वचन और इस बिंदु पर वह उसे करने के लिए क्या कह रहा था, के बीच था। यह इब्राहीम के विश्वास की परीक्षा थी

जिसे वह कायम रखने में सक्षम था।

उत्पत्ति 22:8, 14 परमेश्वर मेमना प्रदान करेगा - यहोवा यिरे

मुझे लगता है कि उत्पत्ति 22 का विषय यह वाक्यांश है, "भगवान प्रदान करेगा।" आप पाते हैं कि श्लोक 8 में जहां इसहाक बोल रहा है: " इसहाक ने बोलकर अपने पिता इब्राहीम से कहा, हे पिता?" 'हाँ, मेरा बेटा?' इब्राहीम ने उत्तर दिया. इसहाक ने कहा, 'आग और लकड़ी तो यहां हैं, लेकिन होमबलि के लिए मेमना कहां है?' इब्राहीम ने उत्तर दिया, 'हे मेरे पुत्र, होमबलि के लिये मेम्रे का प्रबंध परमेश्वर आप ही करेगा।'"

फिर आयत 14 में जब इब्राहीम अपने बेटे को मारने के लिए तैयार था और प्रभु ने उसे रोका, तो उसने झाड़ी में मेढ़े को देखा और उसके बदले उसे होमबलि के लिए चढ़ाया। आपने श्लोक 14 में पढ़ा, "इब्राहीम ने उस स्थान का नाम यहोवा यिरे रखा।" मैं किंग जेम्स अनुवाद से पढ़ रहा हूँ। यदि आप उस "यहोवा जिरेह" का अनुवाद करते हैं, जो यहां हिब्रू से अनुवादित है, तो यह वही अभिव्यक्ति है: "प्रभु प्रदान करेगा।" फिर कविता का अंतिम वाक्यांश जैसा कि आज कहा गया है (मुझे लगता है कि किंग जेम्स अनुवाद इसे अस्पष्ट करता है) कहता है, "प्रभु के नाम पर यह देखा जाएगा।" यदि आप अपने अनुवाद में सुसंगत हैं तो आप उस वाक्यांश को फिर से "पहाड़ में भगवान प्रदान करेगा" के रूप में अनुवाद करेंगे, क्योंकि जिस शब्द का अनुवाद "प्रदान करना" है वह हिब्रू क्रिया "देखना" का एक निष्क्रिय रूप है। अक्षरशः। मुझे एनआईवी में श्लोक 8 पर वापस जाने दें जहां यह कहा गया है, "भगवान स्वयं होमबलि के लिए मेमना प्रदान करेंगे।" यदि आप इसका शाब्दिक अनुवाद करें, तो यह है "भगवान होमबलि के लिए कुछ देखेंगे।" यह एक अच्छा अनुवाद है, लेकिन आपको पूरे रास्ते "देखना" जारी रखना चाहिए। एनआईवी श्लोक 14 में कहता है (मुझे लगता है कि यह राजा जेम्स से कहीं बेहतर है), "प्रभु प्रदान करेगा," और फिर "प्रभु के पर्वत पर यह प्रदान किया जाएगा।" तो यह प्राथमिक विचार है जिस पर उत्पत्ति 22 की कथा में जोर दिया गया है: "प्रभु प्रदान करेगा," और प्रभु ने मेमना प्रदान किया और उसने पाप के लिए बलिदान के रूप में अपने बेटे को प्रदान किया। केजेवी कहता है, "प्रभु के पर्वत पर यह देखा जाएगा।"

"देखा जाएगा" उस वाक्यांश पर जोर को अस्पष्ट करता है।

उत्पत्ति 2:12 भगवान कहते हैं, "अब मुझे पता चला है" - एंथ्रोपोमोर्फिक अभिव्यक्ति अब कविता 12 में जब इब्राहीम आज्ञाकारी रहा है, भगवान कहते हैं, "अब मुझे पता है कि आप भगवान से डरते हैं, क्योंकि आपने अपने बेटे, अपने एकमात्र बेटे को नहीं रोका है।" "फिलहाल मुझे पता है" - क्या भगवान को पहले से नहीं पता होगा? निश्चित रूप से अपनी सर्वज्ञता में वह इब्राहीम के विश्वास की ताकत को जानता था। निश्चित रूप से ईश्वर इस चुनौती का सामना करने के लिए इब्राहीम को मजबूत करने के लिए काम कर रहा था। मुझे लगता है कि इस तरह की अभिव्यक्ति को मानवरूपी अभिव्यक्ति के रूप में समझना सबसे अच्छा है - मुझे लगता है कि यह तकनीकी शब्द है जिसका उपयोग तब किया जाता है जब चीजें जो बहुत मानवीय होती हैं वे भगवान के गुण को संदर्भित करती हैं। पाठ का मुख्य बिंदु वास्तव में इब्राहीम के लिए ईश्वर में अपना विश्वास और हमारे लिए ईश्वर की विश्वसनीयता प्रदर्शित करना है।

वह बच्चों के बुतपरस्त बलिदान और इस पाठ की प्रकृति के बीच एक समानता चित्रित कर रहे थे। उस परिच्छेद का आशय क्या है जिसमें भगवान ने इब्राहीम को तब बुलाया जब बुतपरस्त अपने बच्चों की बलि देने को तैयार थे? क्या इब्राहीम अपने बच्चे की बलि देने को तैयार होगा?

अकेदा का मुख्य फोकस [कैसर बनाम वोस]

पुराने नियम में अन्यत्र मानव बलि की कड़ी निंदा की गई है, जो निश्चित रूप से यहां कठिन प्रश्न उठाता है, लेकिन केवल कुछ हद तक। वाल्टर कैसर की पुस्तक *ओल्ड टेस्टामेंट एथिक्स* (पृष्ठ 262) में, वह कहते हैं, "उत्पत्ति 22 को उसके सबसे भयानक रूप में हत्या करने के लिए एक दिव्य आदेश के रूप में प्रस्तुत किया गया है और इसलिए, यह पूरी तरह से भगवान की पवित्रता के चरित्र से बाहर है।" अगले पैराग्राफ में उन्होंने इस पर थोड़ा और चर्चा करते हुए कहा, "कानून स्पष्ट रूप से मानव बलि को प्रतिबंधित करता है और उन लोगों के बारे में तिरस्कारपूर्वक बात करता है जिन्होंने अपने बेटों को मोलेक को बलि चढ़ाने का आदेश दिया था।" वह कहते हैं, "उत्पत्ति 22 इस तरह के बलिदान को प्रोत्साहित नहीं करता है क्योंकि वर्णनकर्ता अपने विवरण को परीक्षण के रूप

में पेश करने में अत्यधिक सावधानी बरतता है। सच है, यह संकेतन पाठक की मदद करने के लिए था, न कि इब्राहीम के लिए, लेकिन किसी घटना का मूल्यांकन उसकी संपूर्णता से किया जाना चाहिए, न कि उसके परिचयात्मक आदेश से। तो कैसर उस भेद को बनाता है और फिर अपनी चर्चा में इस बात पर जोर देता है कि इसमें जिस चीज पर प्रकाश डाला गया है वह ईश्वर की दया और कृपा है। उनका कहना है, अगर इस पर आपत्ति जताई गई तो किस तरह का भगवान मनुष्य को इस प्रकार की अग्नि परीक्षा देगा? उत्तर इस बात पर निर्भर करता है कि कथा के किस भाग पर जोर दिया गया है। यदि इसहाक की बलि देने की प्रारंभिक आज्ञा पर बल दिया जाता है, तो ईश्वर की परिणामी छवि धोखे की होगी। लेकिन अगर याह्वे के अपने उठाए हुए हाथ को रोकने के हस्तक्षेप और उसके बाद इब्राहीम के आशीर्वाद पर जोर दिया जाता है, तो किसी का निष्कर्ष रोल्ड डेवॉक्स से सहमत होगा, जो कहते हैं कि कोई भी इज़राइली जिसने इस कहानी को सुना है, वह इसका मतलब यह लेगा कि उसकी जाति का अस्तित्व इसके कारण है। ईश्वर की दया और उसकी आज्ञाकारिता हमारे पूर्वजों की समृद्धि के लिए है।” दूसरे शब्दों में, वह कहते हैं कि आपको वास्तव में दर्द पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए, बल्कि विकल्प प्रदान करने में ईश्वर की दया पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

अब मुझे यकीन नहीं है कि इससे समस्या हल हो जाएगी। निश्चित रूप से मुझे नहीं लगता कि आप कह सकते हैं, ठीक है, कैसर आगे बढ़ता है और एक बहुत ही कठिन प्रश्न लाता है। कैसर पृष्ठ 263 पर कहते हैं: "गेरहार्डस वोस हमें इस अनुमान से आश्चर्यचकित करता है कि इसहाक की बलि देने का दैवीय आदेश" स्पष्ट रूप से बताता है कि एक इंसान के बलिदान की सिद्धांत रूप से निंदा नहीं की जा सकती है। उस आलोचनात्मक राय के प्रति स्वयं को प्रतिबद्ध करते समय सतर्क रहना अच्छा है, क्योंकि यह प्रायश्चित की जड़ पर प्रहार करता है।"

कैसर का कथन वोस की बात है: कि इब्राहीम को ईश्वर ने अपने सबसे प्रिय जीवन, अपने इकलौते बेटे को जीवन देने के लिए कहा है। लेकिन स्वर्गदूत के आखिरी मिनट के हस्तक्षेप से, एक जीवन (इस मामले में एक राम का जीवन) के बदले दूसरे जीवन को भगवान द्वारा स्वीकार्य घोषित किया जाता है। "इसलिए, वोस ने निष्कर्ष निकाला, 'मानव जीवन का बलिदान नहीं, बल्कि औसत पापी मानव जीवन का बलिदान ओटी (कैसर 263-264) द्वारा निंदा की गई है।"

अब, उस समय कैसर कहते हैं: “मुझे शायद ही पता हो कि वोस की तर्क-पद्धति का क्या अर्थ निकाला जाए। पतन के बाद मनुष्य को ज्ञात कोई भी मानव जीवन ईश्वर को उपहार के रूप में, विकल्प के रूप में तो बिल्कुल भी नहीं, कैसे कार्य कर सकता है? मुझे प्रतिस्थापन के सिद्धांत के बारे में बाइबिल में कोई शंका नहीं है, क्योंकि यह स्वयं पाठ में निहित है, लेकिन मैं इस बात से सहमत नहीं हो सकता कि मानव जीवन के रूप में इसहाक सैद्धांतिक रूप से या मुख्य रूप से रक्त प्रायश्चित की ओर इशारा करता है।

कैसर उस सादृश्य को अस्वीकार करता है जिसे वोस आगे बढ़ा रहा है। परिच्छेद का जोर परीक्षण पहलू और भगवान की कृपा और दया पर पड़ता है, और वादे के पहले प्राप्तकर्ताओं में से किसी की सहायता के बिना अपने वादे को बनाए रखने पर पड़ता है। तो, सिद्धांत रूप में, यहां जिस बात को संबोधित किया जा रहा है वह मानव बलि का विचार है जहां जीवन प्रायश्चित है। कैसर उस तक पहुँचता है, लेकिन वह कहता है कि कोई भी मानव जीवन वास्तव में ऐसा नहीं कर सकता। वह इसे केवल परीक्षण पहलू, विकल्प प्रदान करने वाली ईश्वर की कृपा और दया पर जोर देने के रूप में देखना पसंद करेंगे। इसलिए, मुझे नहीं पता कि आप मानव बलि (जो अन्य संस्कृतियों में मौजूद थी) और भगवान इब्राहीम को यहां क्या करने के लिए कहते हैं, के बीच समानता पर कितना ध्यान देना चाहते हैं, क्योंकि निश्चित रूप से पुराने नियम का कानून मानव की किसी भी वैधता के खिलाफ है। त्याग करना।

### वन्नॉय के प्रतिबिंब

अब मुझे लगता है कि गोलगोथा के साथ समानता के संबंध में मैंने जो कहा वह उत्पत्ति अध्याय 15 में जानवर के साथ धूम्रपान भट्टी का गुजरना है। यहाँ नए नियम के पाठ के साथ अध्याय 22 में समानता है: उसने अपने बेटे को नहीं छोड़ा लेकिन उसे हम सबके लिए छोड़ दिया। परमेश्वर हमारे उद्धार का प्रबंध करने के लिए अपने पुत्र को छोड़ना चाहता था। इब्राहीम अपने बेटे को परमेश्वर का आज्ञाकारी बनने के लिए छोड़ने को तैयार था।

अब्राहम को ईश्वर पर पूरा भरोसा था। परमेश्वर ने वादा किया था कि उसका वंश इसहाक के माध्यम से जारी रहेगा। इसलिये जब यहोवा ने उसके प्राण लेने को कहा, तब इब्राहीम को विश्वास हो

गया कि यदि आवश्यक हुआ, तो परमेश्वर उसे मरे हुआओं में से जिलाएगा। इसलिए, उसने परमेश्वर के वचनों को मान लिया, उसके वादे पर संदेह नहीं किया और आज्ञाकारी था। यही तो ध्यान देने वाली बात है। जब आप इस प्रश्न में पड़ते हैं कि ईश्वर इब्राहीम को अपने ही पुत्र की जान लेने का आदेश कैसे दे सकता है, तो यह बहुत कठिन है। कैसर जो करने की कोशिश करता है वह उससे पीछे हट जाता है और कहता है कि इब्राहीम के लिए ऐसा करना कभी भी ईश्वर का इरादा नहीं था। पाठ में दया, कृपा और प्रावधान पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए; मैं नहीं जानता कि यह सर्वोत्तम उत्तर है या नहीं। वह ऐसा कर सकता था और ईश्वर, जैसा कि इब्रानियों का कहना है, उसे मृतकों में से जीवित कर सकता था, ताकि उसका वादा व्यर्थ न हो।

इब्राहीम की चूक [जनरल. 12 और 20] वह मेरी बहन है

ठीक है, आइए इब्राहीम की गलतियों, असफलताओं और कमजोरियों पर चलते हैं। निश्चित रूप से इब्राहीम एक महान व्यक्ति था - आप अध्याय 22 में उसके विश्वास की महानता देखते हैं - लेकिन वह एक आदर्श व्यक्ति नहीं था। बाइबल हमें कमजोरियों के साथ-साथ मजबूत बिंदुओं को भी दिखाती है, न केवल इब्राहीम के साथ बल्कि पुराने नियम के अन्य प्रमुख व्यक्तियों के साथ भी। तो, वह विश्वास का नायक है, उसे विशेष रूप से नए नियम (जैसे रोमन, इब्रानियों, जेम्स) में दर्शाया गया है, लेकिन वह अभी भी एक पापी व्यक्ति है। उसके जीवन में ईश्वर की कृपा प्राथमिक है, उसकी अपनी अच्छाई नहीं। उसमें कमजोरियाँ हैं, लेकिन परमेश्वर उन कमजोरियों के बावजूद उन पर शासन करता है और कार्य करता है।

इसलिए, उत्पत्ति 12 और उत्पत्ति 20 में, इब्राहीम अपनी मदद के लिए अपनी पत्नी को अपनी बहन के रूप में प्रस्तुत करता है। उत्पत्ति 12 में वह कनान देश में आने के तुरंत बाद, अकाल के कारण भोजन की तलाश में मिस्र चला जाता है। पद 10-13 में आप पढ़ते हैं, " देश में अकाल पड़ा, वह मिस्र में रहने को गया, क्योंकि अकाल बड़ा भारी था, और जब वह मिस्र में जाने को निकट आया, तब उस ने सारै से कहा, पत्नी, "देखो, अब मुझे मालूम हो गया है कि तुम देखने में सुन्दर स्त्री हो, इसलिये जब मिस्री तुम्हें देखेंगे, तब कहेंगे, 'यह उसकी पत्नी है,' और वे मुझे मार डालेंगे, परन्तु

तुम्हें जीवित बचा लेंगे।" . कहो, मैं प्रार्थना करता हूं, तुम मेरी बहन हो, कि तुम्हारे कारण मेरा भला हो और तुम्हारे कारण मेरा प्राण भी स्वस्थ रहे।

उसे डर है कि उसकी पत्नी की सुंदरता के कारण मिस्रवासी उससे छुटकारा पाने का प्रयास करेंगे क्योंकि वह उसका पति है। वह गणना करता है कि यदि वह कहता है कि वह उसकी बहन है तो शायद इसका परिणाम विपरीत होगा और उसे उपकार और अच्छा व्यवहार दिया जाएगा। यही युक्ति है. ऐसा प्रतीत होता है कि यह कुछ ऐसा था जिस पर इब्राहीम और सारा ने सहमति व्यक्त की थी और शायद अन्य उदाहरणों में इसका उपयोग किया गया था, क्योंकि उन्होंने बहुत सारी यात्राएँ की थीं।

यदि आप उत्पत्ति 20:13 को देखते हैं, जहां इसकी दूसरी घटना गरार के अबीमेलक के साथ होती है, तो आप पढ़ते हैं, "ऐसा हुआ जब भगवान ने मुझे मेरे पिता के घर से भटकने के लिए प्रेरित किया, मैंने उससे कहा, 'यह तुम्हारी दयालुता है जिस जिस स्थान पर हम आए वहां तू मुझे दिखाना। मेरे बारे में कहो, 'वह मेरा भाई है।' यह आधा सच है। यह पूरी तरह से झूठ नहीं है, क्योंकि उत्पत्ति 20:11 कहता है, "इब्राहीम ने कहा, 'क्योंकि मैंने सोचा कि इस जगह में भगवान का डर नहीं है, और वे मेरी पत्नी की खातिर मुझे मार डालेंगे और वास्तव में, वह मेरी बहन है . वह मेरे पिता की बेटी है, लेकिन मेरी मां की बेटी नहीं और वह मेरी पत्नी बन गई।" वह वास्तव में उनकी सौतेली बहन थी जो उनकी पत्नी बन गई। इसलिए, जब वे किसी से कहते हैं, जैसा कि जाहिर तौर पर उन्होंने कई स्थानों पर किया है, कि सारा उनकी बहन थी, तो यह सच था। लेकिन निश्चित रूप से यह एक धोखा था क्योंकि वह उसकी पत्नी भी थी और उसकी सौतेली बहन भी थी।

अब पिछले दिनों यहां एक सवाल उठाया गया- 65 या 90 साल की उम्र में सारा इतनी आकर्षक कैसे रही होंगी? आप उत्पत्ति 12:4 को देखकर युगों का पता लगा सकते हैं। इसमें कहा गया है, "जब इब्राहीम ने हारान छोड़ा, तो वह 75 वर्ष का था।" इसकी तुलना 17:17 से करें, जिसमें इब्राहीम कहता है, "क्या जो सौ वर्ष का है उसके एक सन्तान उत्पन्न होगा, और क्या सारा जो 90 वर्ष की है गर्भवती होगी?" यहां आप पाएंगे कि अब्राहम और सारा के बीच उम्र में 10 साल का अंतर है। तो, इसका मतलब है कि जब इब्राहीम ने कनान में आने के लिए हारान को छोड़ दिया, तो वह 75 वर्ष का था। इसका मतलब है कि अध्याय 12 में सारा 65 वर्ष की थी। यदि आप आगे बढ़ते हैं, तो

उत्पत्ति 21:5 कहता है, "जब इब्राहीम 100 वर्ष का था, जब उसका पुत्र इसहाक था उससे पैदा हुआ।" कुछ ही समय बाद इसहाक का जन्म हुआ (अध्याय 21 देखें)। इस प्रकार जब इब्राहीम का पुत्र इसहाक पैदा हुआ तब वह लगभग 100 वर्ष का था, और उस दूसरी घटना के समय सारा लगभग 90 वर्ष की थी। आपने उत्पत्ति 23:1 में पढ़ा कि सारा 127 वर्ष तक जीवित रही। अब, उसकी सुंदरता और उम्र के संबंध में, जब लोग 125 वर्ष की आयु तक जी रहे थे, तो रजोनिवृत्ति की औसत आयु क्या थी? आज यह पैंतालीस-पचास साल पुराना है। यदि औसत जीवन काल अब लगभग पचास वर्ष कम है; शायद रजोनिवृत्ति भी लगभग पचास वर्ष कम या लगभग पचहत्तर वर्ष की थी। अब मैं अनुमान लगा रहा हूँ - यह शुद्ध अटकलें हैं। मुझे ऐसा लगता है कि आप अनुमान लगा सकते हैं कि जब लोग इतने लंबे समय तक जीवित रहते थे तो रजोनिवृत्ति, पैंतालीस से पचास के बजाय, लगभग पचहत्तर वर्ष की उम्र में होती होगी। यदि वह 65 या 90 वर्ष की उम्र में पचहत्तर वर्ष की हो चुकी हो, तब भी उसका इतना सौंदर्य बरकरार रहना अनुचित नहीं है। मुझे लगता है कि आप में से कई लोगों ने शायद दो या तीन हफ्ते पहले यह खबर देखी होगी: दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला फ्लोरेंस की लगभग 114 साल की उम्र में मृत्यु हो गई, वह यहां लैंसडेल, पेंसिल्वेनिया में डॉक्टर के नर्सिंग होम में रहती थीं। मेरी पत्नी पिछले कुछ वर्षों से उसकी देखभाल कर रही थी। यह एक अद्भुत बात है, कोई व्यक्ति 114 वर्ष तक जीवित रहता है। हम सोचते हैं कि हम बहुत दूर हैं, लेकिन सारा 127 वर्ष तक जीवित रहीं, यह इससे ज़्यादा कुछ नहीं है।

किसी भी मामले में, सारा की सुंदरता उन्हें इब्राहीम के लिए समस्याओं से बचने के लिए यह तरीका अपनाने के लिए प्रेरित करती है। सारा को फिरौन के हरम में ले जाया गया और जैसा कि इब्राहीम को संदेह था, उसे सभी प्रकार के उपहार प्राप्त हुए। आप उसे 12:14 में पढ़ते हैं: "जब अब्राहम मिस्र में आया, तब मिस्रियों ने उस स्त्री को देखा, और वह बहुत सुन्दर थी, और मिस्र के हाकिमों ने उसे देखा, और फिरौन के साम्हने उसकी प्रशंसा की, और वह स्त्री फिरौन के पास पहुंचा दी गई घर।" और फिर पद 16: "उसने उसके लिए इब्राहीम के साथ अच्छा व्यवहार किया। उसके भेड़-बकरी, बैल, दास-दासियाँ, गदहियाँ और ऊँट थे।" श्लोक 19 में कहा गया है, "मैं शायद उसे अपनी पत्नी के रूप में अपने पास रख लेता। इसलिये अब अपनी पत्नी को देख, उसे लेकर अपने मार्ग पर चला जा।" और फिरौन ने उसके विषय में अपने जनों को आज्ञा दी, कि उसे

और उसकी पत्नी को, और उसके सारे धन को भी विदा करो।”

अब हमें इस कहानी से क्या मतलब निकालना है? यह कहानी क्यों शामिल है? ऐसा लगता है कि मुद्दा यह है कि हम इब्राहीम और सारा के मानवीय पापों के बावजूद ईश्वर की कृपा और संरक्षण चाहते हैं। इब्राहीम और सारा की इस रणनीति के कारण उत्पन्न हुई इस असंभव स्थिति के बीच में भगवान हस्तक्षेप करते हैं। महत्वपूर्ण बात वादा किए गए वंश से संबंधित है: परमेश्वर इब्राहीम और सारा की रक्षा करता है ताकि वे फिर भी वादा किए गए वंश के वाहक बने रहें। भले ही वे खुद को उस संकट में डाल लेते हैं, प्रभु उस विवाह को बचाते हैं और बरकरार रखते हैं - वह विवाह जिसके माध्यम से वादा किया गया बीज आएगा।

जोसेफ फ्री की पुस्तक *पुरातत्व और बाइबिल इतिहास* (पृष्ठ 55) में, इस मार्ग पर कुछ टिप्पणियाँ हैं। वह कहते हैं, "अब्राहम के यह कहने का संभावित कारण कि सारा उसकी पत्नी के बजाय उसकी बहन थी, एक पपीरस दस्तावेज़ की खोज से पता चलता है, जो बताता है कि फिरौन ने एक खूबसूरत महिला को अपने दरबार में लाया था और उसके पति की हत्या करवा दी थी।" कोई यह देख सकता है कि इब्राहीम क्यों चाहता था कि यह समझा जाए कि वह सारा का पति नहीं बल्कि उसका भाई था। दूसरे शब्दों में, उनकी चिंता जायज़ हो सकती है, लेकिन यह निश्चित रूप से धोखे को उचित नहीं ठहराती।

ऊँटों पर दूसरी बात जो वह नोटिस करता है, या नोट करता है, वह यह है कि आकस्मिक पाठक आमतौर पर इस संकेत पर कोई विशेष ध्यान नहीं देता है कि मिस्र में इब्राहीम की संपत्ति में ऊँट भी थे। आयत 16 कहती है कि उसके पास भेड़-बकरियाँ, बैल, दास-दासियाँ, गदहियाँ और ऊँट थे। मुझे लगता है कि मैंने पहले उल्लेख किया था कि बाइबिल आलोचकों ने अक्सर यह कहना पुरातनपंथी समझा है कि ऊँटों को पालतू बनाया गया था, इसलिए इस बिंदु पर यह विश्वसनीय नहीं हो सकता है। फ्री का कहना है कि मिस्र में ऊँट के प्रारंभिक ज्ञान को दर्शाने वाले पुरातात्विक साक्ष्य मौजूद हैं, जिनमें मूर्तियाँ, ऊँटों की मूर्तियाँ, ऊँटों के चित्रण वाली पट्टिकाएँ, चट्टान पर नक्काशी और चित्र शामिल हैं। ऊँट की हड्डियाँ, ऊँट के बाल, ऊँट की रस्सी - ये वस्तुएं, संख्या में लगभग 20, सातवीं शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर 3000 ईसा पूर्व की अवधि की हैं, तो आप पुरातात्विक आंकड़ों

की व्याख्या के इस तर्क में उतरें और, फ्री के अनुसार, अच्छा है प्रमाण। इब्राहीम के समय से बहुत पहले ऊँटों को पालतू बनाया गया था।

जनरल 20 अबीमेलक और इब्राहीम और सारा और इसकी पृष्ठभूमि इसहाक के जन्म के बारे में परमेश्वर के वादे

दूसरे, अध्याय 20 में, जहाँ इसी युक्ति का दूसरी बार उपयोग किया जाता है, आप छंद 1-4 में पढ़ते हैं: "इब्राहीम नेगेव से गेरार की ओर यात्रा करता है और इब्राहीम ने अपनी पत्नी सारा के बारे में कहा, वह मेरी बहन है, और अबीमेलक, राजा है गेरार ने सारा को भेजा और ले गया। परन्तु रात को परमेश्वर ने स्वप्न में अबीमेलक के पास आकर उस से कहा, जिस स्त्री को तू ने रख लिया है उसके कारण तू मरा हुआ मनुष्य है, क्योंकि वह पुरुष की पत्नी है। क्योंकि अबीमेलक ने उसके पास आकर न पूछा था, "हे प्रभु, क्या तू एक धर्मी जाति को घात करना चाहेगा? उसने मुझसे नहीं कहा "वह मेरी बहन है" और उसने खुद भी कहा "वह मेरा भाई है।" अपने दिल की ईमानदारी और अपने हाथों की मासूमियत से मैंने यह किया है।" नतीजा यह हुआ कि सारा को फिर से रिहा कर दिया गया।

अब मुझे लगता है कि अध्याय 20 को समझने के लिए, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम अध्याय 20 के संदर्भ को देखें और अध्याय 20 में जो होता है उसकी पृष्ठभूमि पर ध्यान दें। यदि आप अध्याय 17 पर वापस जाते हैं, तो आप 17:17-19 में पढ़ते हैं, "अब्राहम और मुंह के बल गिर पड़ा, और हंसा, और अपने मन में कहने लगा, क्या सौ वर्ष के बूढ़े के भी सन्तान उत्पन्न होगा, और क्या सारा जो नब्बे वर्ष की है गर्भवती होगी? और अब्राम ने परमेश्वर से कहा, "हे कि इश्माएल तेरे साम्हने जीवित रहे।" और परमेश्वर ने कहा, तेरी पत्नी सारा से तेरे लिये सचमुच एक पुत्र उत्पन्न होगा, तू उसका नाम इसहाक रखना, और मैं उसके साथ सदा की वाचा बान्धूंगा, और उसके पश्चात् उसका वंश भी उत्पन्न करूंगा।

श्लोक 21 से नीचे: "मैं इसहाक के साथ अपनी वाचा स्थापित करूंगा जिसे सारा अगले वर्ष इसी समय में तुम्हारे पास लाएगी।" तो उत्पत्ति 17:17-19 में, इब्राहीम और सारा को बताया गया है कि अगले वर्ष इसी समय इसहाक का जन्म होगा। 18:10-14 को भी देखें, जहां दो अन्य कथन हैं। परमेश्वर ने कहा, मैं जीवन के समय तक निश्चय तेरे पास फिर आऊंगा, और तेरी पत्नी सारा के एक पुत्र उत्पन्न होगा। और फिर श्लोक 14 में सारा के हंसने के बाद, वह कहता है, "क्या प्रभु के लिए कुछ भी कठिन है? जीवन के समय के अनुसार नियत समय पर मैं तुम्हारे पास लौट आऊंगा और सारा के एक पुत्र उत्पन्न होगा। तो अध्याय 17 में "जीवन के समय के अनुसार अगले वर्ष का निर्धारित समय", 18:10 में "नियत समय पर," और 18:14 में "जीवन के समय के अनुसार" है।

दिलचस्प बात यह है कि लगभग समान वाक्यांश 2 किंग्स 4 में पाए जाते हैं। यह उत्पत्ति 17:21 में "इस निर्धारित समय" के रूप में अनुवादित हिब्रू है, 18:14 का हिब्रू "नियत समय पर" और हिब्रू है 18:10 और 18:14 में से "जीवन के समय के अनुसार।" 2 राजा 4:16-17 कहता है: "वह इस ऋतु के विषय में कहता है, कि समय आने पर तू पुत्र को गले लगाना।" और उस ने कहा, नहीं, हे मेरे प्रभु, हे परमेश्वर के जन, अपनी दासी से झूठ मत बोल; और एलीशा ने जिस समय उस से कहा, उसी समय वह स्त्री गर्भवती हुई, और उसके एक पुत्र उत्पन्न हुआ।

संदर्भ में, वे कथन एलीशा का शूनेमी स्त्री से किया गया वादा है कि उसे एक बच्चा, एक बेटा होगा। यह हिब्रू में एक समान अभिव्यक्ति है। 2 राजा 4:17 में, "उस मौसम में" वही हिब्रू अभिव्यक्ति है: "यह उस समय कहा गया है।" "यह ऋतु" भी वह अभिव्यक्ति है; इसका सिर्फ दो अलग-अलग तरीकों से अनुवाद किया गया है। "तब जीवन के समय के अनुसार" का अनुवाद "जब समय आता है और निर्धारित समय के अनुसार" किया जाता है, लेकिन यह हिब्रू में वही वाक्यांश है जो उत्पत्ति 18:10-14 में है।

अब ये तो बिल्कुल साफ लग रहा है कि अब्राहम और सारा को जो बताया गया है वो ये है कि एक साल के अंदर उन्हें एक बेटा होने वाला है। दूसरे शब्दों में, उन्हें "जीवन के समय के अनुसार, निर्धारित समय" पर एक बेटा होने वाला है। जीवन का समय क्या है? क्या जीवन का समय एक वर्ष है या गर्भावस्था की अवधि है? यह बाद वाला हो सकता है, इसलिए यह हो सकता है कि इब्राहीम और सारा लगभग तुरंत ही गर्भधारण करने वाले थे: जीवन के समय के अनुसार, इस समय, अगले

वर्ष, उनके पास एक बेटा होने वाला था।

यह उत्पत्ति 20 में इब्राहीम के गरार जाने की पृष्ठभूमि है। वह गरार के पास जाता है और अबीमेलक से कहता है, "वह मेरी बहन है," और अबीमेलक सारा को अपने हरम में ले जाता है। और तब यहोवा अबीमेलक के पास आकर कहता है, तू तो मरा हुआ पुरुष है, क्योंकि जिस स्त्री को तू ने ले लिया है वह पुरुष की पत्नी है। तो हम जो देखते हैं वह यह है कि ईश्वर, अपनी कृपा से, सारा को वादा किए गए वंश की माँ के रूप में संरक्षित करता है। और भगवान का हस्तक्षेप किसी भी संदेह या संदेह को उत्पन्न होने से रोकता है कि पैदा होने वाले बच्चे का पिता कौन है। यह निश्चित रूप से इब्राहीम का काम नहीं है, बल्कि परमेश्वर इब्राहीम में और उसके माध्यम से, उसकी कमजोरियों के बावजूद, अपने उद्देश्यों को पूरा कर रहा है, और उस वादे की रक्षा कर रहा है।

अध्याय 20 में गरार की घटना में अबीमेलक के ठीक बाद, "प्रभु ने जैसा कहा था वैसा ही उसने सारा की सुधि ली, और प्रभु ने सारा से वैसा ही किया जैसा उसने कहा था। क्योंकि सारा इब्राहीम के बुढ़ापे में उसी समय गर्भवती हुई और उसके एक पुत्र उत्पन्न हुआ, जो परमेश्वर ने उस से कहा था" (उत्पत्ति 21:1-2)। तो, अबीमेलक घटना उस वादे के बिंदु और उसके साकार होने के बीच घटित होती है। और इसलिए ऐसा लगता है कि महत्व फिर से इब्राहीम और सारा के माध्यम से वादा किए गए बीज के संरक्षण के संबंध में है।

सारा द्वारा इब्राहीम से एक पुत्र का वादा

अब, यह थोड़ा पीछे हो गया है। इब्राहीम को अध्याय 12 में बहुत पहले एक बीज देने का वादा किया गया था, और अध्याय 15 में वह वादा दोहराया गया है। उत्पत्ति 15:4 कहता है, "एलियाज़र तेरा वारिस न होगा, परन्तु जो तेरी कमर से निकलेगा वही तेरा वारिस होगा," परन्तु सारा बांझ बनी रहेगी। और आप अध्याय 16 पर पहुँचते हैं और पहली आयत में पढ़ते हैं कि सारा, इब्राहीम की पत्नी से उसे कोई संतान नहीं हुई। इसलिए पद 2 में सारा इब्राहीम से कहती है, "देख, यहोवा ने मुझे सन्तान उत्पन्न करने से रोक दिया है, और मैं प्रार्थना करती हूँ कि अपनी दासी के पास जाऊँ। सम्भव है कि उसके द्वारा मुझे सन्तान प्राप्त हो जाय। और अब्राम ने सारै की बात मान ली। अब्राम के कनान देश में दस वर्ष रहने के बाद, उसकी पत्नी सारै, अपनी मिस्री दासी हाजिरा को ले

गई। हाजिरा एक नौकरानी हो सकती है जो उसे तब मिली थी जब वे मिस्र में थे। यह बिलकुल संभव है; वह मिस्र की रहने वाली थी। दस साल हो गए थे लेकिन वादा पूरा नहीं हुआ था, इसलिए इब्राहीम हाजिरा को ले जाता है, और उसके माध्यम से उसके एक पुत्र का जन्म होता है। इब्राहीम और सारा ने वादा पूरा करने के लिए एक अलग तरीका खोजा। उन्होंने इन तरीकों से इब्राहीम के लिए एक बेटा पैदा करने की व्यवस्था करने की कोशिश की। इस तरह की व्यवस्था हमें अजीब लगती है, लेकिन उस समय यह कोई असामान्य बात नहीं थी। इस प्रकार की व्यवस्था के सन्दर्भ हम्मुराबी के कानून संहिता और नुज़ी ग्रंथों (उस प्रकार के अन्य प्राचीन ग्रंथों) में पाए जाते हैं।

सारा और हैगर में *क्रॉनिकल्स न्यूज़ ऑफ़ द पास्ट* के दो खंड लाए , जो एक पुराने नियम का इतिहास है या, बल्कि समाचार पत्र प्रारूप में यहूदियों का इतिहास है। यह "अब्राहम और नया विश्वास" है, जो अब्राहम और मेल्कीसेदेक के बीच पत्रों का आदान-प्रदान है: "सदोम और अमोरा बाढ़ के बाद सबसे खराब आपदा में नष्ट हो गए। रहस्यमयी ज्वाला, भूकंप, सिद्धीम की घाटी में फैल गया।" फिर विदेशी समाचार है कि मिस्र में क्या हो रहा है। यहाँ बेबीलोन से हम्मुराबी तक। देखिए, हम्मुराबी लगभग 700 साल पुराना है। अब्राहम के बारे में है - ठीक है, डेटिंग पूरी तरह से सटीक नहीं है। आम तौर पर, यह ऐतिहासिक रूप से काफी अच्छा है। "जैकब ने बेटे की गिरफ्तारी का विरोध किया। मिस्र में जासूसी का शिकार. आरोप लगाया गया, इनकार किया गया, जासूसी का आरोप लगाया गया। वे "अपने भूखे परिवार के लिए" भोजन खरीदने आए थे। इसमें कई बेहद हास्यप्रद बातें भी हैं। इसकी एक प्रति पुस्तकालय में है, यदि आप कभी इसे देखना चाहें।

लेकिन जिस कारण से मैंने इनमें से तीसरे में इसका उल्लेख किया है, वह एक लेख है: "सारा बनाम हाजिरा: अदालत के नियम, हाजिरा रुकती है, इश्माएल के अधिकारों की पुष्टि करती है।" और फिर सारा बनाम हाजिरा मामले से संबंधित हम्मुराबी के अंश भी हैं। हम्मुराबी के कोड का उद्धरण कहता है: "यदि कोई पुरुष किसी महिला से शादी करता है और वह उसे बच्चे नहीं देती है और उसने दोबारा शादी करने का फैसला किया है, तो वह पुरुष दूसरी पत्नी से शादी कर सकता है, उसे अपने घर में ला सकता है, लेकिन उस दूसरी पत्नी के साथ किसी भी तरह से पहले के साथ रैंकिंग नहीं। यदि किसी पुरुष ने किसी महिला से विवाह किया है और उसने उसे एक दासी दी है

जिसके बाद बच्चे पैदा हुए, यदि बाद में उस दासी ने अपनी मालकिन के साथ समानता का दावा किया है क्योंकि वह, दासी, बच्चों को जन्म देती है, तो उसकी मालकिन उसे नहीं बेच सकती है। हालाँकि वह उस पर दास चिन्ह अंकित कर सकती है और उसे अपने दासों में गिन सकती है। यदि उसके बच्चे न हों तो उसकी मालकिन उसे बेच सकती है। यदि किसी पुरुष की पहली पत्नी से उसके बच्चे उत्पन्न हुए हों और उसकी दासी से भी उसके बच्चे उत्पन्न हुए हों, तो यदि पिता ने दास से उत्पन्न हुए बच्चों को कभी "मेरे बच्चे" कहा हो, तो उन्हें पहली पत्नी के बच्चों के साथ गिना जाए, फिर उसके बाद पिता अपनी कब्र पर चला गया है, पहली पत्नी के बच्चे और दास के बच्चे पैतृक संपत्ति के सामान में समान रूप से साझा करेंगे, पहली पत्नी के पहले बच्चे को अधिमान्य हिस्सा मिलेगा। इससे पता चलता है कि गुलाम लेने की प्रथा हम्मुराबी के समय में जानी जाती थी और कानून द्वारा विनियमित थी।

विक्टोरिया विटके द्वारा प्रतिलेखित  
टी डी हिल्डेब्रांट  
द्वारा रफ संपादित जेनिफर बॉबज़िन द्वारा अंतिम संपादन  
टेड हिल्डेब्रांट  
द्वारा पुनः सुनाया गया